

M. T. B. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. ^{Ref.}
_{Set.} 969

Title: *Bhairava Sadhanam*

Later

969

Complete

C	:	Bhairav Sadhanam	:	Title
:	:	:	:	Author
:	:	:	:	Editor
SK	:	:	:	Year, Vols.
:	:	:	:	Publisher
969	:	:	:	Remarks

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ मय्यस्य मस्तस्य सायनकायसिद्धये स्तुतयार्क
र्षणमैरवसाधनमदं करिष्ये ॥ अस्य श्रीसूक्तार्कर्षणमैरवसाधन
शिवरूपिदेवाश्रयाय शोचते ॥ ॐ लौबीजं द्रुदयेद्गौत्राक्षिनामौहवी
नवंपादयोमैरवसाधने जपे विनियोगः ॥ पूर्वैर्लौपातुं रंशाने
द्रुपातुः ॥ उत्तरे लौपातुः वायवे मैरवपातुः पश्चिमे बभ्रुपातुः नैर्ऋत्ये मातं
गोमयपातुः ॥ दक्षिणे कृपाति मैरवपातुः ॥ आग्नेयां प्रचंडमैरवपातुः ॥ उर्व
रैतातुपातुः ॥ प्रध्वायां भूचरिपातालेनागवाणिनपातुः ॥ मूलमंत्रः ॥
ॐ लौहो ह्यैरवर्णी कर्षणपस्याहा ॥ मंत्रः ॥ ॐ लौहो ह्यैरवर्णी कर्षण

जैरवईहं गति ॥ ११ ॥ साहं वर सय रसौ ॥ १२ ॥ रसं देव युर सय रसु
 शंघात यथा तय स्वाहा ॥ १३ ॥ सा मंत्र जपे स कृत्वा १००००० ॥ १४ ॥ आरभे रव
 साधनं ॥ १५ ॥ मथ वर न्यास ॥ १६ ॥ ॐ ह्रीं ॥ १७ ॥ ॐ ह्रीं ॥ १८ ॥ ॐ ह्रीं ॥ १९ ॥ ॐ ह्रीं ॥ २० ॥
 ना मित्राभ्यां ॥ २१ ॥ सुवर्णा विवर्णा यवनि ॥ २२ ॥ स्वाहा ॥ २३ ॥ वर तय शंघात
 वंदु रवदि ॥ २४ ॥ ध्यानं ॥ २५ ॥ पीतां पातां नवरानित्यासु ॥ २६ ॥ मायापरापितं त्रि
 शूलं उमरं श्रैव माहा कीलवर प्रहं सुवर्णा विवर्णा ॥ २७ ॥ श्रैव ॥ २८ ॥ श्रैव ॥ २९ ॥ श्रैव ॥ ३० ॥
 श्रुतिं ॥ ३१ ॥ जपे रस मंत्रा ॥ ३२ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ३३ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ३४ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ३५ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ३६ ॥
 जार मास मेच मधु पूष्य तथा सवि तितित गुणान् श्री प्रत्यह रिता
 देव जपे ई सु उ मति नाग दे सार ॥ ३७ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ३८ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ३९ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ४० ॥

ॐ ह्रीं ॥ शिवानंद नाथ देव बा श्री ॥ ४१ ॥ ॐ ह्रीं ॥ चंदमानंद नाथ देव बा श्री ॥ ४२ ॥
 ॐ ह्रीं ॥ संविशानंद नाथ देव बा श्री ॥ ४३ ॥ ॐ ह्रीं ॥ ब्रह्मदेवानंद नाथ देव बा
 श्री ॥ ४४ ॥ ॐ ह्रीं ॥ पूरानंद नाथ देव बा श्री ॥ ४५ ॥ ॐ ह्रीं ॥ सचिदानंद
 नाथ देव बा श्री ॥ ४६ ॥ ॐ ह्रीं ॥ विमलानंद नाथ देव बा श्री ॥ ४७ ॥ ॐ ह्रीं ॥
 सौ ॥ चिन्मयानंद नाथ देव बा श्री ॥ ४८ ॥ ॐ ह्रीं ॥ १ ॥ अथ विरावली पंचव
 ॐ ह्रीं ॥ ब्रह्मप्रेतवीर नाथ देव बा श्री ॥ ४९ ॥ ॐ ह्रीं ॥ विष्णुप्रेतवीर
 नाथ देव बा श्री ॥ ५० ॥ ॐ ह्रीं ॥ रुद्रप्रेतवीर नाथ देव बा श्री ॥ ५१ ॥ ॐ ह्रीं ॥
 सौ ॥ ईश्वरप्रेतवीर नाथ देव बा श्री ॥ ५२ ॥ ॐ ह्रीं ॥ सराशिप्रेतवीर ना
 थ देव बा श्री ॥ ५३ ॥ ॐ ह्रीं ॥ पूजयामितमयामिनमः ॥ ५४ ॥ ॐ ह्रीं ॥ अथ म
 न्मालिनि मंत्र राजसहितं वंदे गुरोर्मै उ ॥ ५५ ॥ ॐ ह्रीं ॥ सादिता त श्री
 मारुका सरस्वती नाथ देव बा श्री ॥ ५६ ॥ ॐ ह्रीं ॥ माया नाथ देव बा श्री ॥

उं गिरिमानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ १० ॥ उं ॥ अदिनाथदेव्यं श्री० ॥ ११ ॥ उं ॥
मस्यनाथदेव्यं श्री० ॥ १२ ॥ उं ॥ मोननाथदेव्यं श्री० ॥ १३ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
थदेव्यं श्री० ॥ १४ ॥ उं ॥ ओपालनाथदेव्यं श्री० ॥ १५ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
देव्यं श्री० ॥ १६ ॥ उं ॥ बालनाथदेव्यं श्री० ॥ १७ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
० ॥ १८ ॥ उं ॥ महाविष्णुनाथदेव्यं श्री० ॥ १९ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
प० ॥ उं ॥ शंभुनाथदेव्यं श्री० ॥ २० ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ मारुतनाथदेव्यं श्री० ॥ २१ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ ब्रह्मानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ २२ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ मुनिगंडनाथदेव्यं श्री० ॥ २३ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ प्रकाशनाथदेव्यं श्री० ॥ २४ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
॥ मयनवर्गः ॥ उं ॥ यज्ञेश्वरानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ २५ ॥

देव्यं श्री० ॥ २६ ॥ उं ॥ मारुतानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ २७ ॥ उं ॥ शंभुनंद
नाथदेव्यं श्री० ॥ २८ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
देव्यं श्री० ॥ २९ ॥ उं ॥ अक्षयनाथदेव्यं श्री० ॥ ३० ॥ उं ॥ उं ॥
श्री० ॥ ३१ ॥ उं ॥ सिद्धिनाथदेव्यं श्री० ॥ ३२ ॥ उं ॥ उं ॥
व्यं श्री० ॥ ३३ ॥ उं ॥ नदिनाथदेव्यं श्री० ॥ ३४ ॥ उं ॥ उं ॥
श्री० ॥ ३५ ॥ उं ॥ भास्वतवलानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ ३६ ॥ उं ॥
वा ॥ विनीवलाथदेव्यं श्री० ॥ ३७ ॥ उं ॥ उं ॥
शालिनाथदेव्यं श्री० ॥ ३८ ॥ उं ॥ उं ॥
मनाथदेव्यं श्री० ॥ ३९ ॥ उं ॥ उं ॥
गरीनाथदेव्यं श्री० ॥ ४० ॥ उं ॥ उं ॥
चित्रेश्वरानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ ४१ ॥ उं ॥ उं ॥

[illegible][illegible]

रजकुलार्थे हीनत्रयं पूर्यते संतानप्रयतिराधुना अथ संतानाधुना